योगी आदित्यनाथ
(मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश)

उन्नति की अनंत संभावनाओं वाले भारत के सबसे बड़े राज्य की 24 करोड़ जनता की आकांक्षाओं को साकार करने का हमारा संकल्प आज चार वर्ष पूरे कर रहा है। 'लक्ष्य अंत्योदय, प्रण अंत्योदय, पथ अंत्योदय' के संकल्प को आत्मसात करते और उत्तर प्रदेश की सेवा करते चार वर्ष कैसे बीते, इसका क्षण भर भी पता न चल सका और अब वह विश्वास और दृढ़ हो चला है कि साफ नीयत और नेक इरादे से किए गए प्रयास सफल अवश्य होते हैं।

कोविड-19 की विभीषिका से हमारे संघर्ष का एक वर्ष बीत चुका है। मुझे याद आता है, जनता कर्फ्यू का वह दिन, जब कोरोना के गहराते संकट के बीच महामहिम राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति महोदय ने फोन पर बातचीत कर मुझसे प्रदेश की तैयारी के संबंध में जानकारी ली थी। उन्हें चिंता थी कि कमजोर हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर, घनी आबादी और बड़े क्षेत्रीय विस्तार वाला उत्तर प्रदेश इस महामारी का सामना कैसे करेगा? मैंने उन्हें भरोसा दिलाया कि उत्तर प्रदेश इस आपदा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा और अंततः हुआ भी यही। यह आत्मिक संतोष का विषय है कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में कोरोना की विभीषिका के बीच हमारी सरकार ने लोगों के जीवन और जीविका, दोनों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने में सफलता प्राप्त की। निवासी हों या प्रवासी, सबका ध्यान रखा गया। प्रधानमंत्री जी द्वारा ली गई पहलकदमियों से कोरोना संक्रमण की चेन टूटती रही और रोजगार के साथ-साथ विकास की कड़ियां जुड़ती रहीं। विश्व स्वास्थ्य संगठन से लेकर वैश्विक मीडिया जगत तक में उत्तर प्रदेश की कोरोना संघर्ष रणनीति की सराहना की गई। निस्सन्देह इस आपदाकाल में राष्ट्रीय पटल पर एक नया उत्तर प्रदेश उभर कर आया है।

> विश्व स्वास्थ्य संगठन से लेकर वैश्विक मीडिया जगत तक में उत्तर प्रदेश की कोरोना संघर्ष रणनीति की सराहना की गई। निस्सन्देह इस आपदाकाल में राष्ट्रीय पटल पर एक नया उत्तर प्रदेश उभर कर आया है।

यह सर्वमान्य तथ्य है कि उत्तर प्रदेश में विकास के लिए अपार संभावनाएं हैं। लेकिन इन संभावनाओं को समन्वित नीतियों और साफ नीयत के माध्यम से क्रियान्वित करने की आवश्यकता थी। इस क्रियान्वयन की दिशा में पहला प्रयास था- इन्फ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक विकास का। वास्तव में, आधारभूत ढांचे किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए ग्रोथ इंजन होते हैं। इसके बिना आर्थिक विकास 'तेज, टिकाऊ व प्रतिस्पर्धी' नहीं हो सकता। हमने इस तथ्य को समझते हुए बीते चार वर्षों में सतत प्रयत्न किए हैं।

जनसांख्यिकीय लाभांश की दृष्टि से उत्तर प्रदेश सर्वाधिक संभावनाओं वाला राज्य है। बीते चार वर्षों में हमारी कोशिश इसी भावना के साथ आगे बढ़ने की रही है। चार साल के भीतर 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' की राष्ट्रीय रैंकिंग में उत्तर प्रदेश का 12वें पायदान से ऊपर उठकर नंबर दो पर आना कोई आसान कार्य नहीं था, पर हमने यह कर दिखाया। सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के मामले में उत्तर प्रदेश ने गुजरात, कर्नाटक और तमिलनाडु को पीछे छोड़ते हुए आज देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का गौरव प्राप्त किया है।

उत्तर प्रदेश को बेरोजगारी और पलायन के दंश से पूरी तरह मुक्त करने के लिए हमने हर गांव और प्रत्येक जनपद को स्वावलंबी बनाने का निर्णय लिया। उसी क्रम में 'स्वदेशी से स्वावलंबन' और 'वोकल फॉर लोकल' मंत्र को चरितार्थ करते हुए 'एक जनपद-एक उत्पाद' योजना के द्वारा पारंपरिक उद्योगों को पुनर्जीवन दिया, वहीं अर्थव्यवस्था का 'पावर इंजन' कहे जाने वाले एमएसएमई की लाखों इकाइयों को आसान शर्तों पर ऋण मुहैया कराकर उन्हें नया जीवन प्रदान किया। इससे अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में बढ़ोतरी हुई। ओडीओपी योजना के तहत सब्सिडी आधारित वित्तीय प्रोत्साहन व अनुकूल माहौल से संवलित कुटीर उद्योगों की इकाइयों ने लगभग 40 लाख से अधिक रोजगार पैदा किए। यह 'नए भारत के नए एवं आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' की नई तस्वीर है।

मिशन शक्ति के प्रयासों के तहत शहरों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए स्कूटी व कार सवार महिला पुलिसकर्मियों की गश्त को बढ़ाया गया।

विकास व निर्माण कार्यों की रफ्तार में तेजी लाने के लिए कई नई योजनाओं की शुरुआत की गई। आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाने की दिशा में काम हुए, जिससे बड़े स्तर पर रोजगार सृजन में मदद मिली।

आर्थिक ही नहीं, प्रदेश के सांस्कृतिक उत्थान के लिए भी कई अभूतपूर्व पहल

'आस्था और अर्थव्यवस्था' दोनों के प्रति हमारा समदर्शी भाव है। हमारी नीतियों में दोनों भाव समानांतर परिलक्षित होते हैं। बीते चार वर्षों में उत्तर प्रदेश में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की जो ज्योति प्रज्ज्वलित हुई है, उसने हर सनातन आस्थावान व्यक्ति के हृदय को आलोकित किया है। 'गंगा यात्रा' के माध्यम से आस्था और आर्थिक समृद्धि जैसे दोनों उद्देश्य पूरे हुए। इसके साथ ही श्रीरामजन्मभूमि पर सकल आस्था के केंद्र प्रभु श्रीराम के भव्य-दिव्य मंदिर निर्माण के शिलान्यास की बहुप्रतीक्षित साधना वर्ष 2020 में पूरी हुई। अयोध्या दीपोत्सव, काशी की देव दीपावली और ब्रज रंगोत्सव की हर जगह सराहना हुई। वर्तमान राज्य सरकार अयोध्या को वैदिक और आधुनिक संस्कृति से संपन्न नगर बनाने की दिशा में नियोजित प्रयास कर रही है। प्रभु श्रीराम के आशीष से हमारा यह प्रयास भी अवश्य सफल होगा।

पिछले चार वर्षों में नए भारत के नए उत्तर प्रदेश का सृजन हुआ है। चार साल पहले जिस प्रदेश को देश और दुनिया में बीमारू कहा जाता था, जो भारत का सबसे बड़ा राज्य होने के बाद भी अर्थव्यवस्था के पैमाने पर पांचवें पायदान पर था, जहां युवा पलायन को मजबूर था, आज उसकी प्रगति और उसकी नीतियां अन्य राज्यों के लिए उदाहरण बन रही हैं। 2015-16 में 10.90 लाख करोड़ की जीडीपी वाला राज्य समन्वित प्रयासों से आज 21.73 लाख करोड़ की जीडीपी के साथ देश में दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बन कर उभरा है। राज्य वही है, संसाधन वही हैं, काम करने वाले भी वही हैं, बदली है तो बस कार्यसंस्कृति। प्रतिबद्ध, समर्पण की भावना से पूर्ण पारदर्शी कार्यसंस्कृति इस नए उत्तर प्रदेश की पहचान है।

आज जबकि वर्तमान प्रदेश सरकार चार वर्ष पूरे कर रही है तो मुझे यह प्रसन्नता है कि हम प्रधानमंत्री जी के 'सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास' के लक्ष्य के अनुरूप अपनी नीतियों को क्रियान्वित करने में सफल रहे हैं। हमारे राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भी इस बात को मानते हैं कि बीते चार सालों में एक भी ऐसी योजना नहीं शुरू हुई, जो किसी जाति, धर्म, पंथ, मजहब के आधार पर विभेद करती हो। हां, हम तुष्टिकरण की नीति का अनुकरण नहीं करना चाहते, यह बिल्कुल स्पष्ट है। वर्तमान सरकार की नीतियों के केंद्र में किसान, नौजवान, महिला और गरीब हैं। सरकार की नीति साफ है और यही वजह है कि जनता सर है। यह विगत चार वर्षों की अविराम विक का ही सुफल है कि आज उत्तर प्र आत्मनिर्भर स्वरूप को तेजी के साथ अ है। अन्त्योदय के संकल्प को आत्मसा सर्वोदय के भाव के साथ हमारी समर्प विकास के वैश्विक पटल पर नए उत्त गौरवशाली स्थापना तक जारी रहेगी हमारा पथ प्रशस्त करें।

समानी व आकूतिः समाना ह
समानमस्तु वो मनो यथा वः सुसहासति

(हमारा उद्देश्य एक हो, हमारी भाव हों। हमारे विचार एकमत हों। जैसे इस ब्रह्मांड के विभिन्न क्रियाकलापों में तार एकता है।)